RAS KALA MANCH, SAFIDON

PRESENTS

CHANDU BHAI NATAK KARTE HAIN

Written by: Manoj Kumar Pandey

Directed by: Ravi Mohan

VENUE :

O.P. SINGLA AUDITORIUM , ARYA PG COLLEGE, PANIPAT

DATE : 22 MARCH, 2016 TIME : 12.30 PM

IN ASSOCIATION WITH:

Ministry of Culture
GOVERNMENT OF INDIA

ARYA PG COLLEGE
PANIPAT

Department of Information, Public Relation & Culture Affairs, Haryana

MOBILE NO. +91-92155-12300, 90500-28050

About the Group

Ras Kala Manch' Safidon was founded by an art lover and a social activist Sh. Ras Bihari Ji at a very small city in Distt Jind of Haryana. It is flourished by the hard work and efforts of young and dynamic theatre artists Ravi Mohan and Manish Joshi, this theatre group is carrying forward its duty with great fervor and patience in Haryana and across the country for the last twelve years. This theatre group has successfully participated in various theatre festivals. They has also successfully presented the play - 'Hum To Aise Hi Hain', 'Lakhmigatha' and 'Shiv Vivah'. Out of these "Hum To Aise Hi Hain" has been successfully presented for more than hundred times across the country. 'Ras Kala Manch' is also working to present Haryanvi cultural style. The group has also worked in association with famous organizations like literary Art Council N.Z.C.C. Patiala, W.Z.C.C Udaipur, N.C.Z.C.C Allahabad, Election Commission Indian Govt. , Haryana Art Council, MAAC, Public Information and Culture Deptt. Chandigarh.

'Ras Kala Manch' also organizes national theatre festival by the name of 'Chalo Theatre' twice a year, in which plays from famous theatre groups of the country and plays directed by young and senior theatre artists are invited every year this group give away the award of honor to five theatre artists from Haryana and across the country to encourage them.

नाट्य दल के बारे में

रास कला मंच सफीदों की स्थापना इसके संस्थापक कला प्रेमी व समाज सेवी श्री रास बिहारी ने हरियाणा मे स्थित जींद जिले के एक छोटे से कस्बे सफीदों मे की।

नौजवान और प्रखर रंगकर्मी रवि मोहन और मनीष जोशी की मेहनत व चेष्टाओ से आगे बढ़ी। ये नाट्य संस्था हरियाणा व देश भर मे पिछले 12 वर्षो से रंगकर्म के दायित्व का वीरता और धीरतापूर्वक सवंहन कर रही है । नाट्य दल ने कई नाट्य महोत्सवो मे सफल भागीदारी निभाई है। संस्था द्वारा हम तो ऐसे ही है, दूसरा आदमी दूसरी औरत, मैं कहानी हूँ, लख्मीगाथा, शिव विवाह आदि नाटको की सफल प्रस्तुतियाँ की हैं । इनमे से "हम तो ऐसे ही हैं" के 100 से अधिक प्रदर्शन देशभर में हो चुके हैं। रास कला मंच हरियाणा की लोक नाट्य शैली पर भी काम करती आई है । संस्था ने कई चर्चित सांस्कृतिक संस्थानो जैसे :- साहित्य कला परिषद, एन जेड सी सी, डब्ल्यू जेड सी सी, एन सी जेड सी सी, भागीदारी, चुनाव आयोग भारत सरकार, हरियाणा कला परिषद, मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर, सूचना जनसम्पर्क, एवं सांस्कृतिक विभाग चंडीगढ़ आदि के साथ भी कार्य किया है। रास कला मंच वर्ष मे दो बार "चलो थिएटर" के नाम से राष्ट्रीय नाट्य समारोह भी आयोजित करती है। जिसमे देश की प्रसिद्ध नाट्य संस्थाओ, युवा व वरिष्ठ रंगकर्मियो द्वारा निर्देशित नाटको को आमंत्रित किया जाता है। ये संस्था हर वर्ष सात रास रंग कला सम्मान जो हरियाणा राज्य व देशभर से चयनित रंगकर्मियो को प्रदान करके उनका उत्साह वर्धन करती है।

About the Play

Chandu is an ordinary university student. He is not very serious about his studies. His routine is to stare and comment upon the girls in a flirts way everyday. One day his friend gave him a pass to watch the drama. But Chandu denied to come. When his friend told him that many girls are also coming to watch his play he agreed to come there. He got mesmerized to watch the play and attracted towards theatre when he found so many girls are working there. Here he found it easy to flirt with girls and to get fame out of this. But after doing so many small roles he got a lead role as an actor. He got a chance to perform main role in the plays of notable writers like – 'Tuglak', 'Aashadh Ka Ek Din', 'Hemlet', Yahudi Ki Ladki', 'Oedipus', 'Kaal Kothri' and many more. Now his entire thought process has been changed and he started participating in various literary academies. But when his jaat police father came to know about all this then there started know about all this then there started a huge turmoil in the family of Chandu as his father ever wanted him to be an inspector in police. But Chandu protested again his father and decided to pursue theatre as a career.................

नाटक के बारे में

चंदू एक साधारण सा विश्वविधालय का विधार्थी है। जो अपनी पढ़ाई को लेकर भी ज़्यादा चिंतित नहीं है , और लड़कियों को निहारना और उनपर फब्तियां कसना उसकी दिनचर्या में शुमार है | एक दिन उसके दोस्त ने उसका नाटक देखने के लिए उसे अपने नाटक का पास उसे दिया। मगर चंदू ने आने से मना कर दिया | तब उसके दोस्त के ये कहने पर की यूनिवर्सिटी की सुन्दर - सुन्दर लडकिया भी मेरा नाटक देखने आ रही है। तुम देख लो, तो उसने आने की हां कर दी , लेकिन जब उसने नाटक देखा तो रंगमंच उसपर जुदाई असर छोड़ गया। और चंदू भी रंगमंच की तरफ इसलिए आकर्षित हुआ की यंहा लडकिया भी काम करती है। उसने सोचा यंहा उसके लिए लड़की को पटाना आसान है और लोगो में उसका व्यक्तित्व फेमस भी हो जायेगा | लेकिन पहले छोटी - छोटी भूमिका करने के बाद उसे नाटको में लीड अभिनेता के रूप में भी काम मिलने लगा | उसे बड़े बड़े लेखको के नाटको में अभिनय किया जैसे -- तुगलक , आषाढ़ का एक दिन , हैमलेट, यहूदी की लड़की, ईडिपस , और कई अन्य नाटको मे भी। अब उसकी सोच साहित्यक भी हो गयी और वो बड़ी बड़ी साहित्यक गोष्ठियों में भी तर्क वितर्क करने लायक हो गया। मगर जब ये सब उसके जाट (मार्शल कोम) पुलिस बाप को उसकी इन हरकतों का पता लगता है तो घर में क़यामत आ जाती है , क्योंकि उसके पिता उसे पुलिस में दरोगा भर्ती करवाना चाहते थे | लेकिन चंदू ने इसका विरोध किया और दिल्ली के एक मशहूर नाट्य दल की तरफ से तुगलक का मंचन किया |तुगलक के मंचन के बाद उसे वही उसी नाट्य दल से अभिनेता के रूप मे नौकरी करने का प्रस्ताव भी मिला। इस बीच वो एक बंगाली लड़की जो उसके साथ नाटक करती है उससे प्रेम भी करने लगा था । मगर समाज ने और परिवार की तरफ से उसे बहुत प्रताड़ित किया गया और उसे कमरे में बंद कर दिया जाता है । फिर चंदू निराश होकर काल कोठरी का अंतिम संवाद बोलता है। लेकिन उसका अंतर मन उसे नाट्य कला के लिए फिर से हौसला देता है .... ।

CAST & CREDITS

ACTOR	CHARACTER
Chandu	Nitin Kalra
Kali Benerji	Amanjeet
Sutardhar 1	Parteek Pichori
Sutardhar 2	Sweeti Ruhal
Yavkri	Ajit Ranjan
Vishakha	Kanishtha Pathak
Paravasu	Chand Bhardwaj
Odipus	Ajit Ranjan
Krioen	Chand Bhardwaj
Couras	Nitin Kalra, Amanjeet, Dipti Dhamija, Raman, Shilpi, Vidhi Kanishtha Pathak, Sweeti, Sombir, Ashish, Partik Pichori, Mahesh Bishnoi, Sahil
On Stage Director	Ravi Mohan
Kalidass	Nitin Kalra
Malika	Amanjeet
Chandu Father's	Ravi Mohan Ras
Chandu Mother's	Sweeti Ruhal
Chandu Friend's	Chand Bhardwaj

OFF STAGE

Story	Manoj Kumar Pandey
Adaption	Ravi Mohan Ras & Nitin Kalra
Director	Ravi Mohan Ras
Assistant Director	Kanishtha Pathak
Lighting	Sachin Malvi / Pawan Bhardwaj
Makeup	Yashu Bhardwaj
Set Design	Shekh Mushraff
Costume	Dr. Madhu Deep Singh
Stage Property	Sugriv Vishavkarma, Sombir, Ashish, Amar
Choreography	Dipti Dhamija
Sound Operation	Pawan Bhardwaj / Mahesh Bishnoi / Chirag
Projector Operation	Sumit Garg / Pawan Bhardwaj
Music Director	Ravi Gautam, Sudhir Sharma & All artist of Repertory (Ras Kala Manch, Safidon)

The Writer - Manoj Kumar Pandey

Born on 7th October 1977 at Siswa, Allahabad in Uttar Pardesh. All his stories prominently published in leading literary magazines. Few of his most stories, are Chandu Bhai Natak Karte Hain, 'Shahtoot' and 'Paani'. Besides writing stories he was actively involved in poetry and criticism.

He was honored with Prabodh Majoomdaar award, Vijay Verma award, Meera award, Youngster award of Indian Language Council. He worked as sub editor in the web site 'www.hindisamay.com' of Mahatma Gandhi International University.

कहानीकार के बारे में

मनोज कुमार पाण्डेय का जन्म 7 अक्टूबर, 1977 , सिसवाँ, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) मे हुआ । हिंदी भाषा मे लेखन कार्य मे इनकी विधाएँ कहानी, कविता, आलोचना है। इनकी द्वारा लिखी गई मुख्य कृतियाँ मे चंदू भाई नाटक करते है, शहतूत, पानी प्रतिनिधि कहानियाँ : अखिलेश, माँ (संबंधों की श्रृंखला : माँ को केंद्र में रखकर लिखी गई कहानियाँ) इनके लेखन के लिए इन्हे प्रबोध मजुमदार स्मृति सम्मान, विजय वर्मा स्मृति सम्मान, मीरा स्मृति पुरस्कार, युवा पुरस्कार (भारतीय भाषा परिषद) भी मिले है।

About the Director

Ravi Mohan, a renowned actor, director and trainer is associated with theatre and media for the last two decades. His theatrical journey of creative work has seen him in the lead role in more than fifteen plays. He has trained number of students in workshop. He is the artistic director of 'Ras Kala Manch', a group established in 2002 to involve artists of various field in creative encounters. He has directed more than 35 plays and conferred with best director award in 2006, at Pune for "Naagmandala" and also received best director award in 2011 at Amritsar for "Ghasi Ram Kotwal". He is contributed as actor and director in the national theater festival. He also acted in a T.V. serial named 'Crime Petrol' on Sony T.V. and 'Aur Ek Kahani' (Bahroop) on DD National Channel. He also acted in serial 'Mahara Haryana Mahari Baat' and 'Sabrang' Which were telecasted on DD Hissar channel. He always gives credit to Smt. Dolly Ahluwalia and Sh. Kamal Tiwari Ji under whose guidance he had taken training of theatre.

निर्देशक के बारे में

अभिनेता, निर्देशक, प्रशिक्षक और मार्गदर्शक रविमोहन "रास" रंगमंच और मीडिया के साथ पिछले लगभग 20 वर्षों से जुड़े है। 2002 मे इन्होंने अपने पिता श्री रास बिहारी जी के साथ अपना सांस्कृतिक दल रास कला मंच सफीदों के नाम से आरंभ किया और युवा निर्देशक के रूप मे पूरे देश भर मे अपनी पहचान बनाई। रवि मोहन "रास" ने अभी तक 35 नाटको का निर्देशन और 15 नाटको मे अभिनय किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविधालय कुरुक्षेत्र से इतिहास विषय मे लघू शोध करने के बावजूद इनका रंगमंच मे व्यवसायिक रूप से आने का पूरा श्रेय ये श्रीमति डाली अहलूवालिया तिवारी व श्री कमल तिवारी जी को देते है और ये अपने आपको उनका ऋणी मानते है जिनकी वजह से इन्होने अपनी रंग-शिक्षा संगीत नाटक अकादेमी दिल्ली व राष्ट्रीय नाट्य विधालय दिल्ली के द्वारा आयोजित नाट्य कार्यशालायों मे ली व वरिष्ठ रंग-शिक्षको से रंगमंच की बारीकियों को सीखने का मौका मिला।

इन्होने भारत देश मे आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य समारोह मे कई नाटको की प्रस्तुतियों की है। इन्हे अपने नाटको के लिए कई रंग पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए हैं।

RAS KALA MANCH

RAS KALA MANCH, SAFIDON

PRESENTS

CHANDU BHAI NATAK KARTE HAIN

Written by: Manoj Kumar Pandey

Directed by: Ravi Mohan

VENUE :

O.P. SINGLA AUDITORIUM , ARYA PG COLLEGE, PANIPAT

DATE : 22 MARCH, 2016 TIME : 12.30 PM

IN ASSOCIATION WITH:

Ministry of Culture
GOVERNMENT OF INDIA

ARYA PG COLLEGE
PANIPAT

Department of Information, Public Relation & Culture Affairs, Haryana

MOBILE NO. +91-92155-12300, 90500-28050

About the Group

Ras Kala Manch' Safidon was founded by an art lover and a social activist Sh. Ras Bihari Ji at a very small city in Distt Jind of Haryana. It is flourished by the hard work and efforts of young and dynamic theatre artists Ravi Mohan and Manish Joshi, this theatre group is carrying forward its duty with great fervor and patience in Haryana and across the country for the last twelve years. This theatre group has successfully participated in various theatre festivals. They has also successfully presented the play – 'Hum To Aise Hi Hain', 'Lakhmigatha' and 'Shiv Vivah'. Out of these "Hum To Aise Hi Hain" has been successfully presented for more than hundred times across the country. 'Ras Kala Manch' is also working to present Haryanvi cultural style. The group has also worked in association with famous organizations like literary Art Council N.Z.C.C. Patiala, W.Z.C.C Udaipur, N.C.Z.C.C Allahabad, Election Commission Indian Govt. , Haryana Art Council, MAAC, Public Information and Culture Deptt. Chandigarh.

'Ras Kala Manch' also organizes national theatre festival by the name of 'Chalo Theatre' twice a year, in which plays from famous theatre groups of the country and plays directed by young and senior theatre artists are invited every year this group give away the award of honor to five theatre artists from Haryana and across the country to encourage them.

नाट्य दल के बारे में

रास कला मंच सफीदों की स्थापना इसके संस्थापक कला प्रेमी व समाज सेवी श्री रास बिहारी ने हरियाणा मे स्थित जींद जिले के एक छोटे से कस्बे सफीदों मे की।

नौजवान और प्रखर रंगकर्मी रवि मोहन और मनीष जोशी की मेहनत व चेष्टाओ से आगे बढ़ी। ये नाट्य संस्था हरियाणा व देश भर मे पिछले 12 वर्षो से रंगकर्म के दायित्व का वीरता और धीरतापूर्वक सवंहन कर रही है । नाट्य दल ने कई नाट्य महोत्सवो मे सफल भागीदारी निभाई है। संस्था द्वारा हम तो ऐसे ही है, दूसरा आदमी दूसरी औरत, मैं कहानी हूँ, लख्मीगाथा, शिव विवाह आदि नाटको की सफल प्रस्तुतियाँ की हैं । इनमे से "हम तो ऐसे ही हैं" के 100 से अधिक प्रदर्शन देशभर में हो चुके हैं। रास कला मंच हरियाणा की लोक नाट्य शैली पर भी काम करती आई है । संस्था ने कई चर्चित सांस्कृतिक संस्थानो जैसे :- साहित्य कला परिषद, एन जेड सी सी, डब्ल्यू जेड सी सी, एन सी जेड सी सी, भागीदारी, चुनाव आयोग भारत सरकार, हरियाणा कला परिषद, मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर, सूचना जनसम्पर्क, एवं सांस्कृतिक विभाग चंडीगढ़ आदि के साथ भी कार्य किया है। रास कला मंच वर्ष मे दो बार "चलो थिएटर" के नाम से राष्ट्रीय नाट्य समारोह भी आयोजित करती है। जिसमे देश की प्रसिद्ध नाट्य संस्थाओ, युवा व वरिष्ठ रंगकर्मियो द्वारा निर्देशित नाटको को आमंत्रित किया जाता है। ये संस्था हर वर्ष सात रास रंग कला सम्मान जो हरियाणा राज्य व देशभर से चयनित रंगकर्मियो को प्रदान करके उनका उत्साह वर्धन करती है।

The Writer - Manoj Kumar Pandey

Born on 7th October 1977 at Siswa, Allahabad in Uttar Pardesh. All his stories prominently published in leading literary magazines. Few of his most stories, are Chandu Bhai Natak Karte Hain, 'Shahtoot' and 'Paani'. Besides writing stories he was actively involved in poetry and criticism.

He was honored with Prabodh Majoomdaar award, Vijay Verma award, Meera award, Youngster award of Indian Language Council. He worked as sub editor in the web site 'www.hindisamay.com' of Mahatma Gandhi International University.

कहानीकार के बारे में

मनोज कुमार पाण्डेय का जन्म 7 अक्टूबर, 1977 , सिसवाँ, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) मे हुआ । हिंदी भाषा मे लेखन कार्य मे इनकी विधाएँ कहानी, कविता, आलोचना है। इनकी द्‌वारा लिखी गई मुख्य कृतियाँ मे चंदू भाई नाटक करते है, शहतूत, पानी प्रतिनिधि कहानियाँ : अखिलेश, माँ (संबंधों की श्रृंखला : माँ को केंद्र में रखकर लिखी गई कहानियाँ) इनके लेखन के लिए इन्हे प्रबोध मजुमदार स्मृति सम्मान, विजय वर्मा स्मृति सम्मान, मीरा स्मृति पुरस्कार, युवा पुरस्कार (भारतीय भाषा परिषद) भी मिले है।

About the Director

Ravi Mohan, a renowned actor, director and trainer is associated with theatre and media for the last two decades. His theatrical journey of creative work has seen him in the lead role in more than fifteen plays. He has trained number of students in workshop. He is the artistic director of 'Ras Kala Manch', a group established in 2002 to involve artists of various field in creative encounters. He has directed more than 35 plays and conferred with best director award in 2006, at Pune for "Naagmandala" and also received best director award in 2011 at Amritsar for "Ghasi Ram Kotwal". He is contributed as actor and director in the national theater festival. He also acted in a T.V. serial named 'Crime Petrol' on Sony T.V. and 'Aur Ek Kahani' (Bahroop) on DD National Channel. He also acted in serial 'Mahara Haryana Mahari Baat' and 'Sabrang' Which were telecasted on DD Hissar channel. He always gives credit to Smt. Dolly Ahluwalia and Sh. Kamal Tiwari Ji under whose guidance he had taken training of theatre.

निर्देशक के बारे में

अभिनेता, निर्देशक, प्रशिक्षक और मार्गदर्शक रविमोहन "रास" रंगमंच और मीडिया के साथ पिछले लगभग 20 वर्षो से जुड़े है। 2002 मे इन्होंने अपने पिता श्री रास बिहारी जी के साथ अपना सांस्कृतिक दल रास कला मंच सफीदों के नाम से आरंभ किया और युवा निर्देशक के रूप मे पूरे देश भर मे अपनी पहचान बनाई । रवि मोहन "रास" ने अभी तक 35 नाटको का निर्देशन और 15 नाटको मे अभिनय किया है । कुरुक्षेत्र विश्वविधालय कुरुक्षेत्र से इतिहास विषय मे लघू शोध करने के बावजूद इनका रंगमंच मे व्यवसायिक रूप से आने का पूरा श्रेय ये श्रीमति डाली अहलूवालिया तिवारी व श्री कमल तिवारी जी को देते है और ये अपने आपको उनका ऋणी मानते है जिनकी वजह से इन्होने अपनी रंग-शिक्षा संगीत नाटक अकादेमी दिल्ली व राष्ट्रीय नाट्य विधालय दिल्ली के द्वारा आयोजित नाट्य कार्यशालायों मे ली व वरिष्ठ रंग-शिक्षको से रंगमंच की बारीकियों को सीखने का मौका मिला।

इन्होने भारत देश मे आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य समारोह मे कई नाटको की प्रस्तुतियों की है । इन्हे अपने नाटको के लिए कई रंग पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए हैं।

About the Play

Chandu is an ordinary university student. He is not very serious about his studies. His routine is to stare and comment upon the girls in a flirts way everyday. One day his friend gave him a pass to watch the drama. But Chandu denied to come. When his friend told him that many girls are also coming to watch his play he agreed to come there. He got mesmerized to watch the play and attracted towards theatre when he found so many girls are working there. Here he found it easy to flirt with girls and to get fame out of this. But after doing so many small roles he got a lead role as an actor. He got a chance to perform main role in the plays of notable writers like – 'Tuglak', 'Aashadh Ka Ek Din', 'Hemlet', Yahudi Ki Ladki', 'Oedipus', 'Kaal Kothri' and many more. Now his entire thought process has been changed and he started participating in various literary academies. But when his jaat police father came to know about all this then there started know about all this then there started a huge turmoil in the family of Chandu as his father ever wanted him to be an inspector in police. But Chandu protested again his father and decided to pursue theatre as a career……………..

नाटक के बारे में

चंदू एक साधारण सा विश्वविधालय का विधार्थी है। जो अपनी पढ़ाई को लेकर भी ज़्यादा चिंतित नहीं है , और लड़कियों को निहारना और उनपर फब्तियां कसना उसकी दिनचर्या में शुमार है | एक दिन उसके दोस्त ने उसका नाटक देखने के लिए उसे अपने नाटक का पास उसे दिया। मगर चंदू ने आने से मना कर दिया | तब उसके दोस्त के ये कहने पर की यूनिवर्सिटी की सुन्दर - सुन्दर लडकिया भी मेरा नाटक देखने आ रही है। तुम देख लो, तो उसने आने की हां कर दी , लेकिन जब उसने नाटक देखा तो रंगमंच उसपर जुदाई असर छोड़ गया। और चंदू भी रंगमंच की तरफ इसलिए आकर्षित हुआ की यंहा लडकिया भी काम करती है। उसने सोचा यंहा उसके लिए लड़की को पटाना आसान है और लोगो में उसका व्यक्तित्व फेमस भी हो जायेगा | लेकिन पहले छोटी - छोटी भूमिका करने के बाद उसे नाटको में लीड अभिनेता के रूप में भी काम मिलने लगा | उसे बड़े बड़े लेखको के नाटको में अभिनय किया जैसे -- तुगलक , आषाढ़ का एक दिन , हैमलेट, यहूदी की लड़की, ईडिपस , और कई अन्य नाटको मे भी। अब उसकी सोच साहित्यक भी हो गयी और वो बड़ी बड़ी साहित्यक गोष्ठियों में भी तर्क वितर्क करने लायक हो गया। मगर जब ये सब उसके जाट (मार्शल कोम) पुलिस बाप को उसकी इन हरकतों का पता लगता है तो घर में क़यामत आ जाती है , क्योंकि उसके पिता उसे पुलिस में दरोगा भर्ती करवाना चाहते थे | लेकिन चंदू ने इसका विरोध किया और दिल्ली के एक मशहूर नाट्य दल की तरफ से तुगलक का मंचन किया |तुगलक के मंचन के बाद उसे वही उसी नाट्य दल से अभिनेता के रूप मे नौकरी करने का प्रस्ताव भी मिला। इस बीच वो एक बंगाली लड़की जो उसके साथ नाटक करती है उससे प्रेम भी करने लगा था । मगर समाज ने और परिवार की तरफ से उसे बहुत प्रताड़ित किया गया और उसे कमरे में बंद कर दिया जाता है। फिर चंदू निराश होकर काल कोठरी का अंतिम संवाद बोलता है। लेकिन उसका अंतर मन उसे नाट्य कला के लिए फिर से हौसला देता है .... |

CAST & CREDITS

ACTOR	CHARACTER
Chandu	Nitin Kalra
Kali Benerji	Amanjeet
Sutardhar 1	Parteek Pichori
Sutardhar 2	Sweeti Ruhal
Yavkri	Ajit Ranjan
Vishakha	Kanishtha Pathak
Paravasu	Chand Bhardwaj
Odipus	Ajit Ranjan
Krioen	Chand Bhardwaj
Couras	Nitin Kalra, Amanjeet, Dipti Dhamija, Raman, Shilpi, Vidhi Kanishtha Pathak, Sweeti, Sombir, Ashish, Partik Pichori, Mahesh Bishnoi, Sahil
On Stage Director	Ravi Mohan
Kalidass	Nitin Kalra
Malika	Amanjeet
Chandu Father's	Ravi Mohan Ras
Chandu Mother's	Sweeti Ruhal
Chandu Friend's	Chand Bhardwaj

OFF STAGE

Story	Manoj Kumar Pandey
Adaption	Ravi Mohan Ras & Nitin Kalra
Director	Ravi Mohan Ras
Assistant Director	Kanishtha Pathak
Lighting	Sachin Malvi / Pawan Bhardwaj
Makeup	Yashu Bhardwaj
Set Design	Shekh Mushraff
Costume	Dr. Madhu Deep Singh
Stage Property	Sugriv Vishavkarma, Sombir, Ashish, Amar
Choreography	Dipti Dhamija
Sound Operation	Pawan Bhardwaj / Mahesh Bishnoi / Chirag
Projector Operation	Sumit Garg / Pawan Bhardwaj
Music Director	Ravi Gautam, Sudhir Sharma & All artist of Repertory (Ras Kala Manch, Safidon)

मंच पर

चरित्र	अभिनेता
चंदू	नितिन कालरा
कली बेनर्जी	अमनजीत
सूत्रधार 1	प्रतीक पचौरी
सूत्रधार 2	स्वीटी रूहाल
यवक्री	अजीत रंजन
विशाखा	कनिष्ठा पाठक
परावसू	चांद भारद्वाज
ईडिपस	अजीत रंजन
क्रिओन	चांद भारद्वाज
कोरस	नितिन कालरा, अमनजीत, दीप्ति धामिजा, अजय, विधि, शिल्पी, स्वीटी, सोमबीर, आशीष, प्रतीक पचौरी, साहिल, रमन, कनिष्ठा पाठक
मंच पर निर्देशेक	रवि मोहन रास
कालिदास	नितिन कालरा
मल्लिका	अमनजीत
चंदू का पिता	रवि मोहन रास
चंदू की माता	स्वीटी रूहाल
चंदू का दोस्त	चांद भारद्वाज

मंच परे

मूल कहानी	मनोज कुमार पांडे
नाट्य रूपांतरित	रवि मोहन रास व नितिन कालरा
निर्देशक	रवि मोहन रास
सहायक निर्देशक	कनिष्ठा पाठक
प्रकाश व्यवस्था	सचिन मालवी / पवन भारद्वाज
मेकअप	यशु भारद्वाज
मंच परिकल्पना	शेख मुशर्रफ
वेशभूषा	डॉ मधुदीप सिंह
मंच सामग्री	सुग्रीव विश्वकर्मा
सहायक मंच सामग्री	सोमबीर, आशीष, अमर
नृत्य संरचना	दीप्ति धमिजा
संगीत संचालन	पवन भारद्वाज, महेश बिश्नोई, चिराग
दृश्य एवं चलचित्र संचालन	सुमित / पवन भारद्वाज
संगीत परिकल्पना	रवि गौतम, सुधीर शर्मा, रास रंगमंडल के सभी कलाकार

मनोज कुमार पाण्डे कृत

चन्दू भाई नाटक करते हैं

निर्देशन : रवि मोहन

आभार

सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार

सूचना, जन सम्पर्क एवं सांस्कृतिक विभाग, हरियाणा सरकार

डॉ जगदीश गुप्ता, प्राचार्य आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पानीपत

PRESENTATION

RAS KALA MANCH

Ward No. 8, Near Rajiv Chowk, Safidon,

Distt Jind (126112) Haryana

Mobile No. +91-92155-12300

E-mail: rasravimohan@gmail.com